श्री रणवीर – केन्द्रीय – संस्कृत – विद्यापीठम्

काश्मीर-शैवदर्शन-विभाग:

प्रवेश संख्या 34/35 विषय : शैवदर्शनम् क्रम सं. 41

नाम स्तवचिन्तामणि वृत्तिः ग्रन्थकार नाम

पत्र सं. 88/44 अक्षर सं. (पंक्तौ) 21/24-5 पंक्ति सं. (पृष्ठे) 12

आकार: 4" × 6.2" लिपि: शारदा आधार: कागज

वि. विवरणम् पू:

दिनांक: 16-9-2000

पर्यवेक्षक :



41

M.K. Marwaha

(22)

34-A

ॐ नमः शिवाय

ॐ पूर्णमसमद्वैतपरमानन्दरूपिणे नमस्तु विदृत्रिशि
रेमस्मै तत्त्वरूपाय निष्कलाय स्वरूपिणे किरि
टमस्तुत्रिशक्तिप्रभावा नमः शिवाय
सततं प्रपञ्चरूपविनायिने शिवानन्दय
नमस्तुभ्यं परमानन्दरूपिणे सततं सद्भावे
लनानन्दमयमभयमन्दमतमनवैदिनी
कि: संविद्रूपाय नीलकि: समस्तु भक्त
रिसंभक्तसमस्तमस्तु: नाथ्यल: सु
रूपस्वभावविनिवृत्तविभ्रम
मोक्षलिंगस्वरूपा श्रीमत्कृष्णमुखे
मध्यनमामस्तकतत्स्वरूपसिद्धरूपा
विवृत्तवस्तु उपनिषद्भिर्भवत्का

49

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ह्लूनमक्रिभुणंअमःशिवंक्रियामक्रि
भुणंअमःशिवंक्रियामक्रिभुणनभी
सुंउक्ष्मा॰॰उंपंमसम्बुविष्णुभाष्यु
भक्ष्मासठमतुपंभायंउमत्रमक्षुमिउ
ह्लूनक्रियामक्रुम्भ्केविष्ट.कलभुम
सुउक्ष्मेमभकद्यम्नगिम्नरामसभव
संफु॰॰पाक्कुमिंमकलकर॰॰वली
मभामूयकुउभद्दः॥भरगपिप्लराक्रि
यमक्ष्मेमभकद्ययोगिनीमउक्ष्मा॰॰क्षुमि
मल्लाम्न॥मभक्रुमंउउम्नप्रखुभक्ष्मेम

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

प्तायिकविधिः ॥ ६ ॥ एवं विस्वाङ्घ्रि
कम्भररसत्ति सिवक्त्रभिख सद्यैकप
रमतें पाम स्वामकोमेर विमण्डु द्मीमे
दमच्चमन्मास्वस्वाद्धूडिपत्तिं ध्रुधयाति ॥
स्तु, सुदुपरिअमाणिविस्मिद्रुकिः सत्ति
कि ॥ ॥ ज्विधमूंर्द्ध्वंसुमसुकेमउयाम
भिकपउ सउिवल्लहउस्वप्रविस्वद्धपे
उव्रभि ॥ म ॥ जस्मभिकपउ, विस्वसृषि
ङः पिउ, इरुव मृभि डंः मस्मर। विस्तक
मभत्तुउ ॥ भवदमास्व भप भटकापर

स्वयम्भुम प उवाच । श्रीगणेजी उवाच
कथं भक्तिवल्लभो देवः । यतस्त्वं भक्तैकम
तिमतो वल्लभः । हिंसामेव तु देवकपा
वयं तत्र वदत्वापि वयमतिवल्लभः ॥
येषां तु गीता भगवतः प्रियो हि ज्ञानिनो
ऽत्यर्थमहं स च मम प्रियः ॥ यस्माद्देवं ह
रेयैकपुभक्तैकं वत्सः ॥ भक्तिवल्लभे
देववयं तवजनपदेलोकमष्टगतः ॥ लो
कभित्तिरद्धाल्लुत्वं किं ज्ञि सुजन्मा मा
गणान्विभीन्लाक्रियाः सिद्धाः सत्तुभवति

गि॰ ली॰ ७

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ५ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ६ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

नमः ॥ १ ॥ ॐ क्लीं इममुद्रवक्षिदुष्प
यन्तृदेनमः । कीलमाय । ॐ क्लीं वस्तुय
उज्ज्वलमइ । उद्यपलक्षितः । सात्त्विमस
त्त्वः । ममराज्ञुपमइसः । ॐपिपयः । स
गः । मेत्रपलहृ सर्विज्ञमपलवृक्षु
पउदः ॥ ॐ । उमामस्तिउदृवस्ति
हुमरिल पिष्ठ इववमलक्ष्मि
यनं मन्त्रं पदस्तं एगता ॥ ॐ पि
शिष्ठश्रुमजउड्डप्रकयपाति
स्फुटयतउः ॥ उमामेत्र हं मङ्गुलित्र

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆱𑆪𑆱𑆥𑆴𑆜𑆴𑆠𑇀𑆫𑆼𑆱𑆳𑆢𑇀𑆫𑆃𑆶𑆱𑆼𑆮𑆃𑆒𑆳𑆑𑆶𑆃
𑆱𑆥𑆴𑆱𑆃𑆶𑆱𑆴𑆃𑆓𑆴𑆠𑇀𑆫𑆱𑆴𑆮𑆃𑆼𑆱𑇀𑆫𑆢𑆑𑆁𑆓𑆴𑆱𑆴
𑆯𑆴𑆱𑆃𑆴𑆲𑇀𑆫𑆱𑆶𑆁𑆱𑆱𑆱𑆶𑆁𑆱 𑇆 𑆱𑇀𑆫𑆑𑆴𑆃𑆼𑆓𑆴𑆒𑆼𑆟𑆮
𑆑𑆱𑆃𑆶𑆑𑆳𑆪𑆁𑆱𑆘𑆱𑆶𑆑𑆴𑆃𑆼𑆃𑆮𑆃 𑇆 𑆃𑆾𑆁 𑆲𑇀𑆫𑆂
𑆑𑇀𑆬𑆵𑆁𑆮𑆃𑆶 𑇆 𑆱 𑇆 𑆱𑆳 𑇆 𑆫𑆼 𑇆 𑆲𑇀𑆫𑆷𑆂 𑆥𑆶𑆃𑆼𑆒𑆾𑆃𑆴
𑆱𑆴𑆃 𑆱𑆑𑆂 𑆥𑆶𑆃𑆴𑆒𑆾 𑆮𑆱𑆵 𑆱𑆑𑆶𑆥𑆱𑆶
𑆲𑆢𑇀𑆫𑆑𑆴𑆃𑆴𑆂 𑆱𑆑𑆴𑆃𑆴𑆂 𑆑𑆒𑆁𑆃𑆮𑆃𑆴𑆱𑆪
𑆱𑆫𑆱𑆱𑆁 𑇆 𑆃𑆡 𑆱𑆮𑆁 𑇅 𑆩𑆳𑆪𑆳𑆧𑆶𑆃𑆴 𑇅
𑆱𑆱𑆂 𑆑𑆑𑆴𑆂 𑆱𑆘𑆑𑆴𑆓𑆶𑆱𑆂 𑆃𑆾𑆁
𑆠𑆴𑆱𑆶𑆁𑆮𑆃 𑇆 𑆃𑆡 𑆱𑆱𑆘𑆑𑆲𑆱𑆥𑆴

[illegible]

𑇄 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪

[illegible]

𑇄 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪

𑆯𑆶𑆠𑆴𑆂 𑇄 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆨𑆛𑇀𑆛𑆳𑆤𑆤𑇀𑆢𑆩𑆶𑆑𑇀𑆠𑆴
𑆑𑆵𑆫𑇀𑆟𑆱𑆩𑆳𑆥𑇀𑆠𑆴𑆠𑇀𑆫𑆥𑆪𑆂 𑆱𑆳𑆪𑆳𑆪𑆳𑆂
𑆱𑆩𑆶𑆢𑇀𑆢𑆴𑆪𑆠𑆳 𑆑𑆬𑆳𑆑𑆴𑆬𑆠𑆢𑇀𑆮𑆳𑆯𑆴𑆫𑆼
𑆲𑆴 𑆓 𑆤𑆴𑆑𑆁𑆥𑆷𑆠𑆵𑆠𑆴𑆱𑆟𑆱𑆱𑆳𑆁 𑆱𑆥𑆶𑆁 𑆠𑆠𑆂
𑆱𑆥𑆑𑆳 𑆯𑆴𑆠𑆫𑆱𑇀𑆮𑆓𑆬𑆤𑆪𑆑𑆶𑆠
𑆱𑆵𑆬𑆶 𑆮𑆴𑆱𑆬𑆵𑆫𑆠𑆁 𑆮𑆴𑆓𑆬𑆴𑆠𑆶𑆥𑆶
𑆠𑆴𑆱𑆁𑆱𑇀𑆑𑆠𑇀𑆠𑆶𑆥𑆁 𑆱𑆶𑆑𑇀𑆠𑆴𑆱𑆳𑆥𑆳𑆢𑆴𑆠𑆁 𑆱
𑆇𑆥𑆮𑆱𑆼𑆠𑆫𑆷 𑆢𑆪𑆮𑆑𑆬𑆱𑇀𑆬𑆳𑆥𑆶
𑆤𑆫𑆶𑆥𑆤𑆵𑆠𑆁 𑆢𑆁𑆱𑆂 𑆑𑆵𑆤𑆵𑆫𑆶𑆲𑆶𑆁
𑆯𑇀𑆫𑆵 𑆑𑆵𑆫𑆱𑆢𑆁𑆠𑆶 𑆮𑆴𑆱𑆓𑆶𑆠𑆢𑆳𑆫𑆳𑆤𑆑𑆂
𑆤
𑆯𑆵

𑇑𑇐

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ २ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ३०

[illegible]

[illegible]

[illegible] नरः ॥ ॐ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] पि ॥ ५ ॥ ॐ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] प्रलयः ॥ [illegible]

[illegible]

७७ ॥ प्रलयः [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] किं किं [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

𑆥𑆴𑆩𑆼𑆲𑆸𑆥𑆫𑆠𑆩𑆴𑆠𑆶𑆩𑆩𑆴𑆠𑆴 𑇆 𑆇𑆮𑆳𑆖 𑆪𑆠𑇀𑆫
𑆃𑆥𑆴𑆩𑆘𑆁𑆑𑆂 𑆑𑆵𑆢𑆸𑆯𑆼𑆥𑆬𑆑𑆵𑆓𑆴𑆠𑆴
𑆥𑆮𑆁𑆪𑆠𑇀𑆫 𑆩𑆩𑆤𑆴𑆠𑆶𑆮𑆼𑆢𑆳 𑆛𑆴𑆬𑆥𑆴𑆠𑆁𑆥
𑆱𑆸𑆠𑆴 𑆱𑆑𑇀𑆫𑆬𑆨𑆽𑆠𑆶𑆩𑆑𑆳 𑆮𑆴𑆣𑆪𑆼𑆂
𑆯𑆤𑆳𑆠𑆶𑆼𑆂 𑆑𑆴𑆁𑆪𑆼𑆤𑆳 𑇆 𑆇𑆠𑆁𑆩𑆯𑆵𑆮𑆴
𑆱𑆽𑆫𑆼 𑇆 𑆑𑆴𑆪𑆱𑆁𑆮𑆪𑆠𑆴𑆩𑆖𑆷𑆩𑆼
𑆥𑆑𑆼𑆥𑆴𑆬𑆼𑆠𑆠𑆴𑆑𑆽𑆮𑆩𑆢𑆩𑆠𑆶𑆠
𑆓𑆴𑆮𑆠𑆠𑆴𑆩𑆢𑆠𑆴𑆩𑆢𑆩𑆢𑆂
𑆥𑆴 𑆮𑆩𑆶𑆠𑆑𑆽𑆮𑆩𑆢𑆂 𑆥𑆶𑆠𑆥𑆬𑆠𑆮𑆠𑆴
𑆠𑆼𑆪𑆲𑆠𑆮𑆁𑆮𑆴𑆤𑆳𑆥𑆴𑆪𑆂 𑆩𑆠𑆠𑆩𑆼

𑆠𑆴𑆤𑆳 𑆯𑆵 𑇑𑇑

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

भया[illegible] ॥ नागाय ॐ [illegible] नागाय यज्ञो
पवीतिने ॥ २३ ॥ ॐ [illegible]
[illegible] नाग
वासुकिः यज्ञोपवीतं [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ३१ ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ३२ ॥ [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ३५ ॥ [illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ३६ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ३६

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

𑆪𑆱𑇀𑆪𑆳𑆂 𑇆 𑆠𑆴𑆡𑆴𑆫𑇀𑆩𑆼𑆥𑆴𑆥𑇀𑆫𑆢𑆶𑆰𑇀𑆛𑆪𑆂 𑆑𑆫𑇀𑆩
𑆟𑆳𑆁 𑆥𑆳𑆥𑆁 𑆦𑆬𑆨𑆳 𑇆 𑇑𑇕 𑇆 𑆥𑆷𑆫𑇀𑆮𑆘𑆤𑇀𑆩𑆑𑆸
𑆑𑆫𑇀𑆩𑆟𑆾 𑆧𑆑𑆫𑇀𑆩𑆴𑆟𑆁 𑆥𑆳𑆑𑆂 𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆵𑆢𑇀𑆮𑆴𑆠𑆵𑆪𑆂
𑆱𑆶𑆠𑆳𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆮𑆟𑆳𑆂 𑇆 𑆠𑆴𑆱𑇀𑆫𑆾 𑆬𑆴𑆥𑆴𑆩𑆕𑇀𑆓𑆶𑆬𑆴
𑆓𑆶𑆟𑆳𑆯𑇀𑆖 𑆨𑆳𑆮𑆥𑇀𑆫𑆠𑆴𑆓𑆥𑆴𑆠𑇀𑆫𑇀𑆪𑆾𑆫𑆶𑆬𑇀𑆬𑆕𑇀𑆔
𑆤𑆂 𑇆 𑆱𑇀𑆮𑆑𑆫𑇀𑆩𑆑𑇀𑆰𑆩𑆳𑆢𑇀𑆮𑆴 𑇆 𑆇𑆨𑆪𑆾𑆥𑆫𑆴𑆥𑇀𑆫𑆬
𑆪𑆩𑆵𑆯𑆴𑆠𑆸𑆤𑆸𑆠𑆼 𑇆 𑆑𑆫𑇀𑆩𑆨𑆶𑆂 𑆑𑆫𑇀𑆩𑆑𑇀𑆰𑆴𑆠𑆴
𑆨𑆷𑆩𑆼𑆫𑆥𑆴 𑆥𑇀𑆫𑆠𑆴𑆰𑇀𑆜𑆼𑆪𑆶𑆂 𑆱𑆶𑆫𑆥𑆠𑆴 𑇆 𑆨𑆮
𑆁 𑆑𑆫𑇀𑆩𑆟𑆳𑆁 𑆥𑆳𑆥𑆁 𑆥𑆶𑆟𑇀𑆪𑆁 𑆦𑆬𑆁 𑇅 𑆨𑆮𑆳𑆢𑆴
𑆑𑆫𑇀𑆩𑆳𑆟𑆶𑆨𑆶𑆑𑇀𑆠𑆓𑆠𑆑𑇀𑆫𑆩𑆦𑆬𑆪𑆾𑆓𑆴𑆤𑆴

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

जयद्व उत्तमं मस्तकं रमः । क्लीं मा
यरुत्रे फलद्वि तं न्त्रं भद्रे रुव
तु । हिं भूपेकद्वृत्ति रूपउय भक्ता
तु ॥ उघाम, ट्टे फलद्वि तं स्वत ॥ म
चरुये हे गद्वं जवत ॥ उमा रुठ भुट, ॥
कत्र उपभद्रमरुत्रखङ्गिहं वं व
रुवे मं मार्गं ॥ रुगमम, सृपंमूयः
मरुवे । मरुवारि मिकुं सम्मत ॥ मरुपद
वमिं रुगं मूयक्ष त उज्जाः ॥ ७ ॥
रकेवलं भभज्ज्वभं अर्तां वक्तृत्वम

स्वरूपं कर्म्मैतत्कदपकर्द्धयेग उद्र
[illegible] पुरुषोत्तमं [illegible] कर्म्मः कर्म्मंतद्रूपं ते उ
तिष्ठति [illegible] अपि भाजस्तामपरि [illegible]
मेव ॥ ३३ ॥ किंभूतं [illegible] रेव मः [illegible]
[illegible] ब्रह्मदय उ [illegible] ॥ स यं ब्रह्म भजेत्
यं [illegible] भाविभि ॥ उत्तमा तिलत
यस्मिन् [illegible] परम [illegible] ॥ ३ [illegible] ॥ स यं [illegible]
[illegible] ॥ तेति विष्णु [illegible] मित्रमित्रव [illegible]
लभ्यते ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] यं ब्रह्मभ्यः ॥ यं [illegible]

ति.र.पी ३०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मश्रीखिश्विगिति ॥ यन्तं मेवं सात्रिलतप्र
षितं ॥ मयचण्डागण्डमतन्त्रेकनः ॥ पत
श्वन्दतो गितवृन्दम्नपामामक्लनमध
कुसुद्धतसुतंसमया ॥ मचण्डुः मवक
तुगेवृन्दसद्भवस्त्राः ॥ यशेतेवस्त्रणय
त्रुगेण क्षिं तंमिवं सुमः ॥ ओंति ॥ ३२ ॥ ५
क्षिं मजह्नपकष ॥ क्षमरलिप्तयष
क्षत्तत क्कल्ल गपि ॥ फ्रागोयक्षुतेस्तनम
सुंसुमभाव्रसा ॥ तंमतंपममनक्षमयं
मत्स्यं सुमः ॥ ममाविसामः ॥ क्लीम

ली ३४

[illegible]

[illegible]

[illegible] 33

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ३२ ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ३३ ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मिष्टं मम स्फुरणीव तत्त्वं स्फुटान्तिःस्फुटं निःखी
त्व स्फुटस्वरूपमन्यं निरा । देव । त्वं वक्रि
त्वत्त्वात्तदेव परिप्रत्य स्फुरन्तः ॥ तत्त्वविस्फु
रती ॥ सर्वं सर्वं गम ॥ नत्वपदत्त्वमपि विश्वं
स्वरमन्त्रं तदेव गुरुवत्स्थितः ॥ यत्त्वं स्फु
टिल्यं मचिमम यं विरुद्धं तत्त्वं परीत्य
तः ॥ विश्वर्त्ते विकल्पं नं प्रमगेपि मन्त्रमत्त्व
ति ॥ प्रथमत्र्यकोविकल्पं स्फुरमितत्प्रसमार
मेन्वपगत्प्रत्यक्षमप्ययं तत्र स्फुटं यं मात्
मयत्पय यत्स्वतमपि मनाणि मन्त्रमेव
कोशीतिकं मंगम तत्त्वत्त्वमयः ॥ केवलं तत्त्वं

बि॰ प॰ ३५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

कर्तृन्तत्तेषं हृष्टमृदुपितृततः सहितम्
रमातत्तं॥ यमुत्रं श्रीविष्णुप्रीतये
ततस्ततः सर्वे गुरुभिः पर्वं प्रयुक्तं पूर्णम
त्वाध्यायः माणत्र॥ दिग्हवरगुरोर्ह
तरत्र हवते सगीमयः ॐ ति॥ यतप्रसतः
रप॥ दिशाद्यविसदृशस्वगुरुंगग
श्यम॥ तत्रुं हवतेत्र कृष्णसक्तिः रप
खव॥ र॥ श्यां सकृत्तिशुकं यः
कसप्रकाशेत्ति दृष्टिविणः पविस्त्रः
तमप लि यावितिजगप्रद्युक्गत
ति॥ सीतप्रसूक्ष्मपम्ब गगन्त्र खणरर

तिर॰ लीर॰

मगलविष्णुरिति: ॥ गुरुमाङ्गमातृ
णगङ्गुं यंलगा स्वप्रस्वप्रभुर्विमुं ललितुम
तं उभ्मशुं उदतुदडीउपरमवल्लभयि
तुंउवैवमदस्य मङ्गमङ्गस्वर्णपितृमिभ्रमं
पस्तुश्रुतिकमाति: ॥ मामत्रैलपापि
वा,त्रलिप्यद्युङ्ग रत्नश्वकष्टापिकवं
पि ॥ उभतुं ॥ सुमदशैजमातृभ्यसिवः
पमं त्रिनतुहीति मउमधु मस्मउतं स्व
रगजनिवः मद्यमङ्गमङ्गरियकुव
रिति ॥ यूज्ञकमेवविस्त्र रगजीउमवंङ्ग
मैकुत्ववात्वः त्ववदेवगुरुमधविदं

ॐ ॥ १७ ॥ ॐ ह्रीं पिशाचकेशवमूर्त्तये
नमः शिरसे ॥ गुल्फयोर्गुल्फः केशवं
रक्षतु नमः शिरसे ॥ ३१ ॥ ॐ देव
शक्तिं रक्षिपरा ॥ विषयदुःखं वरपिय:
दुःखं कृतविमध्यमयः मगुल्फं रेव
यमुपाङ्गिरुदेवगुग्गुलमिगुल्फ यज्ञोपिर.
दविमध्यमाः ॥ अम्बिकीमिमूर्धन्यल्प
वमध्याशिरः मध्यका ॥ सरस्वपद्मस्त्र
ममध्य ॥ शिरः ॥ मणिदिदिखः ॥
शाखा ॥ ३१ ॥ गणेश्वरमुत्पादनायम
मध्यमाः शिरः ॥ लिङ्गायापिनमस्तौ

ॐ ह्रौं ३०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

प्रममावेशस्त्रयमुक्तिरमः ॥ माप
धगमारक्षमयश्रीयुग्मं ऊँ नृहरन्तं
पियावन्तुउँकमत्र्मंस्तुस्वामतं समस्तं
ग ऊँ स्तुत्र मनूतमं भजमुग्न विस्मि
तुविमुगविमुगमास्तु ॥ इस्तक्तिवेदउँ
ऊँ पूतस्तुः पगम स्मममावेदगति ॥
मुस्वाहुतयपाः ॥ विमुग ऊँ समवारि
धयः सस्तुस्त्रितुः ॥ पुत्रवारमवे ऊँ
सस्वविमुयत्रियमिउहुउ ॥ यज्ञावंउन
५० ॥ अपमंहुतकमयकेभयिअउत्र
उ ॥ स्ववउंसिउमभयमनुयस्वामिरहमः ॥ ५१ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

तत्तमुक्तां तत्त्वं ककौ ठवां रितुस्मिराति
त्रिसुत्रिस्रोधाति सयाद्भुपूतिपारितम
कौलक्रोद्धमठव: || त्रिस्रोसुपां समसत्तु
मितमचाति सय: || सह मामास्वस्मिरु
कमाद्द्युप सुस्मयस्रोतियद् || सतस्र
तवैव वस्मिंमाययाकृस्मिन्नुरूपोत्सदु
मारामुद्दुकसयद्वसेवरूपंशूत्यम: ||
यरूप || त्रिस्रोद्वतिरिपासमह्युटाद्रू
तिसतिपूरो || वयंवसुभहूदापिमय
यामेययातव || ५५ || देवूरु रूसवद्ध
ल || त्रिस्रोद्वपारमम्रयरूप || तस्रपसक

त्रिपुरी २५

लाकालहः ॥ तपाणिस्त्रिशूली तु दयिम
दम्बे ॥ रुतभरभृत् कृत्तिवासा शुद्धविम
त ॥ तथा देवः त्रिशिखः त्रिशूलपितोपि ॥ वय
मन्युपिः हंसीभूतगणस्तमाणिकुण्डलः ॥
शापितदवमिरः ॥ सभयाय भाययाव
स्तुभक्त ॥ मरा महे रेजभूमण्डलं मंक
रनस्तु भक्त ॥ सुतः स्वामिने ॥ तवैवैत
त्रिशितं नृतं ॥ रूपतरूयाय ॥ मेयंभा
याअंकृगपि ॥ सभकंवृद्धमायं माय
त ॥ तस्कृतं ॥ मयापिसर्वमुद्रे ॥ तत्तुलि
तपिमत्स्यलितपिमजस्मसः ॥ गोग

[illegible]

ष्क्रोः वक्त्रं हृत्सतत मेवः उत्तमश्री
विद्धस्तोत्रे ॥ तन्नृत्येकशिवरूपप्रभ्रमी
एयतेमतिः ॥ अमाति: सप्कीर्तिंनवयेत
तः शिवगुति ॥ ॥ पवंतन्नृत्येके त्रैलोक्य
त्रैलोक्यशिवमेनमंस्कमे अस्मिश्वतस्म
यतभेवामंसनत्त ॥ ॥ ययामिन्नुतस्वा
भिमचः कलेनवमयः ॥ उतिलधूपिक
हिंतलधूमेषकधूपभ्र ॥ ५१ ॥ स्मिनुते
उतिप्रिके स्मेमः केलिरतुतुरमेमः ॥ प्रि
याम्रवकलः ॥ भमूचक्रमसभारप्रियके
मैवतोत्र एयेनलधूपिसुमतितेपिवित्र ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

णां विभुः । पतकस्य कृती करमेवम् ॥ स्व
तस्यं तयः । पञ्चाननमहेश्वरस्थितः ॥ ८
ति नमः श्रुत्वा प्रसन्नभानं गुरुं वेदवेदत्र
भानयद्वन्तत्पयोगीतिनिजं ॥ यत्र
त्वक्स्थितेर्देवं कृत्वा मः ॥ तः ॥ नमस्क
मतं कृत्वा नमतं मन्त्रमेव ॥ भक्त्या स्व
त्यत्र वैश्वदेकमालिनि ॥१०॥ मतं वि
ध्यानं नगद्वतिन भक्तं मन्त्रं
॥ णं । सतं वाम कुद्भूतपाणस्वर
ं भत्पाल्लवरं कृत्वा स्थितय ॥ स्व
पञ्चभत्य ॥ अथ स्वस्तुतो मनः

धामेवद्ध्रुक्ष्मीरं यातिस्मुयन्तुर्येस्वद
लि तद्रुविग्रमविहवः॥ तेभ्रुठेरु
रुष्कुःस्क्तिः स्फुः मज्ञितीयः मालत
स्मायतेयमुम्भे ॥१०॥ ठक्तुतमयप्र
कमितध्रुतिकस्तुरुपंठगावतुंपरगपिस्रे
तमऽ॥ इलेटोपस्युयेयावरारुक
क्षिशीहृते॥ अनिस्मरदःस्तुंवन्दे मस्मा
त्र्माभागभा॥११॥ हाणुतस्वतुपइले
कोयियावनाशिष्ठि यःकाक्षिणे॥ सुमिवन्दे॥
मकलप्रभतुपदत्तुभागत्रः॥ स्फुरति
मचारवयस्तुरिन्दुः विप्रस्तं इच्छीन

त्रिपुरे मु ५

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

यश्च भगवान् श्रीस्वरमहेशीलः सकलं
विश्वमेतज्ज्ञानमित्रविर्णलक्षणः ॥
किञ्च ॥ गुरुभक्तिर्वरागमूलमन्त्रपूजादि
भीत्रयम् ॥ लिङ्गत्रयं पञ्चकारं कैयादम्
प्रत्यक्षम्ः ॥ १५ ॥ किञ्च वर्णपुरस्त ॥
उद्धृत्य मूलमन्त्रपूजादिमिति सकथा
कथाभा ॥ सदा वैश्वरं सचतुर्मुखादि
दृशामहं सम्प्रत्यक्षः ॥ सचादिमायीणः
सदृशं सर्वेयमुद्धृत्य ॥ कैतवं
पकारं श्रीमित्रं सदलङ्कं लिङ्गत्रयं ॥
गण्डयन्त्रं ॥ सचिज्जिज्ञासः सदेव

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

मिश्रपपा॰ः ॥ १० ॥ यथापरमेश्वरम्
उक्त्वरमंजिज्ञासितमाम्नुश्च ज्ञातिमस्करु
ष्ठिमत्कुरस्कंविवक्लिदिवक्राप्रप्नक
मपिर्मीण्या भस्कविर्वक्ष्ठिश्रुष्कररेत्सम
वध्नकमयतु उर्धस्तु ॥ ॥ यथाः पुष्प
उपदन्तु विमेषः केश्मनगर्भैः ॥ मायाभि
करिमेषे भक्तं अतं पतनः मिव ॥ १० ॥
यस्याः मिरलकेयं भूषा ज्ञ भायायाः ॥
पदन्तु विमेषः पां कम्बुरं मिरलञ्जय
मयतु भूगखिलकुञ्जः ॥ केवुन्सर्वगरि
ठिः भूमाज्ञठिः केः मर गर्भैः ॥ पुरुठे

त्रि. प. ली ५५

मचक्षुर्भगवान्नामश्रुविषयः तुंभ
याभकरिमिषे॰ मम्भूरा ॥ श्रुङ्गपञ्चेष
भगेल्लीवापजशा ॥ मिवः सूयः पुष्टेः
मम्भवा ॥ मन्तु भाप्या अंक्षुगगेमनस्तु
ह्रतु ॥ १० ॥ यथा सुगुणाजिह्वा श्रूपि
रावति श्रुते ॥ भाप्यापदत्तु विसिषय
मगच्छि ठाल्पमवगच्छन्य चेतमतु दुर्घ
यति ॥ वैराग्यभगाडिंतुचीस्तु वक्षुपगा
भंभिश्रियम ॥ वैः मगजश्रुगंकोटिंवि
हुतुं वंथकुतुः पुरु १३ ॥ जयंठ पगम
स्रग ॥ वैराग्यश्रुविषयवेद जम्भुश्च ॥ गुणंची

कण्ठाकण्ठं समस्मितस्मितमपि
उ॰ रमट मारं गाति । प्रतीतिं ॥ उष
ल्लरञ्ज उद्भवरोणञ्जपरमं वैक्लवल
उलपास्तुभवङ्कूरुमित्रल्लरजट
विभ्रुडील्लविस्रमयमिमरत्नमस्तर ॥
मुउत्तुमउउवठमरपरमास्वयमुम
मुषउपं स्वियंपरं विज्ञउं ॥ उषरै
मकुम्य यषेउल्लरलक्ष्मीप्रपुपय
रेष॰ वैभष्णुस्मपरंप्ररप्रिज्ञुकंके
िभकलभञ्जभञ्जप्तारञ्जपजतै सु
रञ्जुपं । यमरज्जमकेम्बिज ॥ मपरेन्द्र

उि॰ ली ५७

[illegible]

यणोत्तरजिह्मःस्मितहासिन्दुपर्योविणिः
कुहेडाप्रविशगः॥ स्वमिमितडस्मि
त्रिणिविनतस्तोविजिड्डत्रिषष्टु
डडुङ्कलविदुरः। सर्वोपिस्मेवस्त्वतु
मिरम्हूडषविष्णुमिकुपूतयाठमम
ॐठ्ठः॥ मरपविसृष्टयणमगुम्भोवि
मिडुस्वठवपमिमदमः पुरतः मयमि
वृतः उत्कुतठवेत॥ इंविणेवठठवेत
प्रकमठित्तिंदिर्ककुमप्रुकमतमि
ठ्ठः॥ यमरुः॥ स्वष्टाविरुः॥ उमेव
ठत्तमतठउमिचंउस्मठमभचमिमं

श्री

उरा० ली ५१

श्रीः

मक्षंय॥ तपास्लतात्रंपरमास्मयतु
पंविल्लुस्मारतमयंवत्व्रुपमंगत्ह
सुमये[illegible]स्तुत्कम्॥ पक्षदेत्रत्प्री
किं[illegible]त[illegible]पीजचतेतुत्रमः॥ एवं
मप्रचपजतयाकमकं[illegible]सक्तपंना
वतःयेहे सख्नितं॥ तमेवप्रपंचेनपम
येवेत्तुपगमुक्तःकं[illegible]सुत्तवत्व
भतेत॥ सपवाशनावतेदमास्तुमिन्ह
मतुथुयरत्ये॥ तेत्मसाश्रामवत्तेहे
मजितसुपिते: । सर्वुत्तिमित्यपप
०ः॥॥ १२॥ सुमामात्रेस्मेपंवंधतु

तिन·टी·५३

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆩𑆶𑆖𑇀𑆗𑇀𑆫𑆢𑇀𑆣𑆼 𑆮𑆫𑇀𑆠𑆠𑆼 𑇆 𑆥𑇀𑆫𑆡𑆩𑆥𑆴𑆢𑇀𑆣𑆶𑆠𑆳𑆱𑇀𑆠𑆮𑆱
𑆫𑇀𑆨𑆖𑆱𑆱𑆩𑆨𑆮𑆼𑆩𑆳𑆪𑆽𑆮𑆩𑆼𑆨𑆝𑆵𑆱𑆶𑆰𑆾𑆓𑆴
𑆤𑆵𑆂 𑆑𑆳𑆪𑆯𑇀𑆖𑆴𑆠𑆱𑆁𑆨𑆮𑆳𑆤 𑇆 𑇆 𑆓𑆳𑆪𑆠𑇀𑆫𑆵
𑆪𑆠𑆪𑆱𑇀𑆠𑆶𑆥𑇀𑆫𑆴𑆪𑆁𑆠𑆼𑆤𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆳𑆱𑇀𑆮𑆼𑆑𑆩𑆳 𑇆 𑆠𑆽𑆠𑇀𑆮
𑆪𑆼𑆥𑆴𑆑𑆼𑆖𑆴𑆤𑇀𑆤𑆫𑆂 𑆱𑆥𑇀𑆫𑆴𑆪𑆂 𑆱𑆱𑇀𑆮𑆼𑆩𑆶𑆑𑇀𑆠𑆂 𑇆
𑆪𑆱𑇀𑆩𑆶𑆨𑆘𑆤𑇀𑆠𑆴𑆂 𑆠𑆼𑆤𑆯𑇀𑆖𑆴𑆠𑇀𑆱𑆶𑆱𑆱𑆶𑆠𑇀𑆠𑆴𑆠𑆼𑆤
𑆮𑆼𑆱𑇀𑆛𑆁 𑆱𑇀𑆠𑆶𑆠𑆴𑆂 𑇅 𑆮𑆑𑇀𑆰𑇀𑆪𑆴 𑆱𑇀𑆠𑆶𑆥𑆪𑆳𑆓𑆳𑆪𑆲𑇀𑆮𑆁𑆖
𑆱𑆱𑆠𑆼 𑇆 𑆥𑇀𑆫𑆴𑆪𑆁𑆨𑆮𑆠𑆶𑆱𑆨𑆑𑇀𑆠𑆵𑆫𑆁𑆠𑆱𑇀𑆪𑆁𑆑𑆼
𑆠𑆠𑇀𑆮𑆑𑇀𑆠𑆢𑇀𑆣𑆮𑆨𑆳𑆪𑆓𑆶𑆰𑆑𑆁𑆓𑆵𑆪𑆠𑆼𑆱𑇀𑆠𑆶𑆠𑇀𑆪𑆠𑆼
𑆱𑆩𑆶𑆑𑇀𑆠𑆂 𑇅 𑆱𑆱𑇀𑆪𑆮𑆥𑇀𑆫𑆢𑆫𑇀𑆯𑆤𑆵𑆬𑆂 𑇅 𑆑𑆯𑇀𑆖𑆴𑆠𑆱
𑆑𑆁𑆮𑆸𑆢𑇀𑆣𑆁𑆮𑆨𑆱𑇀𑆩𑆼𑆪𑆂 𑇅 𑆥𑇀𑆫𑆴𑆪𑆂 𑇅 𑆱𑆮𑆂 𑇆 𑆮𑆢𑆴

𑆠𑇀𑆫𑆴·𑆥𑇀𑆫𑆵 𑇑𑇐

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

य ॥ग्व॥ ॥किंस्र॥ ॥सर्वाङ्गं मे करी
कटुं सर्वं मा पायिं उग्रा ॥ एकवीरा स्व
ति दृष्टुं ऊं स्वाहा मः स्वाहा शिखा ॥ ॥ स
गशिखा ॥ मा मक्षि ह्लां पक्ष गिं ऊं स्वा
मः ॥ श्रीं केशज विमूढ़ा मः ॥ यक्ष्म मुद्रि
णी स्व ऊं पिठग वऊ ट्रे रक्ष टुं मम टाव
सुश्च गं स्वम् जि मम देसं मकरी कटुं
जलभकुं मम स्वयिं ॥ उग्रा सर्वं
मकल स्वर्वा ॥ णि रं भयाहा भक्तं मा पायि
डुं पाम स्वम् मयी कटुं ॥ एकवीरा स्वन
ट्रांपरु मा मउं मयी सपु ऊं फट् ॥ ॥

यतस्मै देविणत्तत्र भामहोङ्गवतस्त
प्व॥ ध्यायन्ति गीतयो यं भगोयः
परमेस्वः यत्रापि मनसः कीद
तेपलकस्यतैः॥ ॥ मजन्मतिपत
स्मोनिपस्मवेमवमास्विकेस्वगीत
तस्यस्त्ययेषंत॥ पूज्यतीतयमीयेरव
श्रपित्वत्रवस्मयं सूतिपत्रगतेर
पलकस्पतैः कीदत्त परगपिममावे
स्वत्र॥ तस्मीयुमवतवमसुं तच्चम
मपरः गीतयापिसुतिमजयेपिता
यत्तिमचिक्तं वतत॥ ॥ तत्वपश

ग्रि॰ ली ६३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] मायामय [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ ॥ मायैव [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] स्वरूप [illegible] विषये ॥ म
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ स्वरूप [illegible] ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

पुरश्चाय: ॥ वैराग्यं विषयवैरस्यं ॥ एक्य:
सङ्घात्ले ज्ञेय तत्त्वाणमस्तु ॥ संक्षेप:
उद्देश्यं शिष्यपित्तु उपदेशउपरिस्तुमुक्ति
स्तुतिवस्त्रिउं प्राण्य यमगागं स्ववेश
ति: मालं शह: शत्रेषभस्तवस्विमत्त्वपु
यवत्तत्त्व ॥ ॥ उत्तवमन्तुरभीरिगैस्व
दं ॥ ॥ यस्मात् ॥ ॥ स्मरसिक्तउक: मस्तु
मत्त: उत्स्वयिंउत्रमा ॥ वस्मिक्रग
पीउत्तुवजस्तुयमीषंस्के: ॥ ॥ स्तुसुंभ
भ्रातृक्ष्यत्रभपिजस्त्रीकउवस्मिं
क्षिरक्षिपवृक्षविक्षुरिपमसक्षेवजउ ॥

कीर्तिप्रिय वक्रपुण्यमन्त्रः ॥ ओंजंश्री
श्रुतकर्ण ॥ बुद्धीमान् बुद्धिः पाम्बुवयस्क
स्कपाउयेस्थितिः ॥ अथ वक्ष्यमाणमुग्धवि
ष्णुस्थितिः [illegible] ॥ जाबुल्यभिमालिनीहान
जुष्कजुल्यभस्तकः ॥ रमयः कंमा, कं
वस्तभ ये युक्तणीण्यः ॥ जम्बूभजमि
डः ॥ पुल्युतिर्वमालिन्टभजात्यभ्मुद
सुस्तकेकुमयभेजाप्यः ॥ डनउक्तुल्यभसु
कः ॥ उत्तउमिनरुक, यणीणः ॥ उक्तुवं
पजुविलुः ॥ उकंवजमविष्णुकम्मुखिकं
पुल्यभत्रिकंमिता ॥ मङ्गलमयमतिः ॥

फ़०ली ६७

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मत्रिपिः केन नाम तत्त्वमुक्तं पाश
स्य विकल्पं प्रलयं सन्तु ॥ एवमिदमिदमस्म
त्तत्त्वं समुत्थे पिपीलिम उल्लंकेष्वा ग्राउ ॥
उपसंहृत कथयत्वात्मिन गतीन्द्रियं ॥ किं
सियत्तन्तु उत्पत्तिपूर्व सेष विस्मयं ॥ किं
श्रीपितञ्चिवं यान्निन् श्रुतिभिस्मिलन्तस्मपां
तत्त्वतत्त्व उपमत्तस्य कथं पुष्टं तत्त्वं तत्त्व
कथयस्व भवेल्लव तत्त्व पालस्यपूर्व
व ॥ ७ ॥ उल्लिङ्ग ॥ ८ ॥ किमुक्तं गतीर्थत्
स्वर्कीर्तिं नीतिः ॥ उक्तिः पत्तनम्
किंकिंचित्सिमेरमञ्जज ॥ ९ ॥ उक्तगुरुः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

शि॰ ली 13

लभा ॥ ॥ रुद्रः पाशमिन्द्रियस्त्वमिष्ट
ंठगवत्रमस्कगभोपनमन्त्रयति ॥ नम
मैलिकत्ताघयघुहंतवतवस्तुघाभा ॥
शिलेकीरघडमरातिचिरायकमडाय
॥ ॥ इलिक्रघयविस्वस्रगयघडं
नमः यस्नुतवस्रुधंस्रुम्गुतिभडंप्रच
तिलीअशिलेकीरघडमरोविस्रस्ररस्र
स्रेतप्रघोरिचिरायकमतिः मान
लस्वगडस्रुः ॥ ॥ मडस्र ॥ ॥ तिस्र
भलमजराप्रजडस्रुडिमंमय ॥
स्रगभिस्रमीतितिस्रिहकस्रुंरमगंगाडः ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

चमेवाःसंमाभूणनमः॥ ओंकुल
कुलभैरवीयेवेश्वरवयत॥ ॥म
चमेवायः॥ भगमेवकौतेः॥ यओंय
मामेयः भैरवीयं मिवभिरिभूतरमे
वसुणस्वभांडस्वरनमः॥ ममकुलं
स्वकेमिं स्वभूतनमः॥ पंमकुनीय
त्या ह भपित्रभूमताः॥ यःतु
हकम्भिब्रिकुलभैरवि॥ स्वममकेमि
र॥ सवरवयतस्वपित्रभूरिकुलं रवर
वममकुरमयारव॥ रतओंरमव
स्वरवसत्स्वमारवैरमभवणति॥

ति॰ ती १७

|| ||यद्भ्वा मं माय उँ याम्ब जिम
ःमः ||भरुभुरु गविसूत्र इैनॅक
न्दतामहे: ||कल्प यत्रापिके हकेनि
चिकल्प एण यत्तृण: || ||भूडिहम्ङ
[illegible] भूमयठम मंयएनविये
एनकूम [illegible] मविसूलु: ||मविउाम्व
उम वंश्व [illegible] पिशुमेजमिमाविं
मरा| ||ठतुगेवाउाउ्यमिक्कवाठम
यस्जिगिति भुउकिङ्कृ कागिकारिउपि
ऽउ भिहृ नवजिङ्कृ बिभवप्रभु
ठुभिकांतिमुठवं, ठवं, उिठवकुपंइल

[illegible]

ओं कल्याणमस्तु । ऋद्धिमदस्तु । कल्प
यज्ञस्य पक्षविरिणन्तु वैमित्रावरुण ।
मयत्रपिर्यविमलस्वस्तुधक्रम
मिदिकुपरामाश्रयविक्षमावेणाय
तु मचिह्नद्ववेतु । कल्परमस्तु यस्तु
ज्ञकयंनिचिकल्पतु शिविस्मयः ॥
केटेकतु त्रिस्वभामास्तु ॥ ॥ सुद्र
मितं प्रातुरमज ॥ मलतैलाकु
भंभानवामरवद्विमजिर ॥ ब्रह्म
पेरमेवद्धंकमकर्मि तस्यामयप्रति
तु ॥ ॥ जमेवइंकमकर्मिकलेतु

त्रिश्रा॰ १६३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] || || [illegible]
[illegible] || [illegible] ||
[illegible]
𑆩𑆴 || 𑆥𑆁 [illegible] 𑆑𑆴𑆁 [illegible]
[illegible] || || [illegible]
[illegible]
𑆩𑆳 [illegible] 𑆩𑆳 𑆩 [illegible]
𑆑𑆩𑆥𑆴 || [illegible]
[illegible] 𑆩𑆴 | [illegible] 𑆑𑆴𑆁 [illegible] 𑆩𑆴 | 𑆩
𑆖𑆂 [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible]

[illegible] 𑇕𑇐

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

भिवमभुवर भानुभाद्रे~ हूंगातुंस
त्तं ॥ त्रिभिकेसविद्रेदुस्त्वेभमरलेकस
~ी ॥ कथंयुगापद्धलसेरपिभमरलइ
त्विदुर्त्वश्चउयः धुउिरदुस्वलनाम्स
उद्र्हउसकृिपाउः श्राउ ॥ कथंवउभि
न्नुवभोकसउं फलंरमसउि ॥ उश्युठि
त्रकंल त्रिउश्रुठित्राग्वपगिपाकक
ल उउिसेउ ॥ भेवंठगावडीस्वउउ्तगू
जिकभुस्लभेनस्नुलएल्लधूयेे~
भलपगिपाकम्नि विउहसेउञ्सयेव
स्सीस्वस्कृकवििवउिपञ्जभपल्लाउुसीर

खि.रा.ली ३५

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆟𑇀𑆝𑇀𑆫𑆾𑆅𑆁 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆧𑆴𑆬𑇀𑆮𑆼𑆪𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆮𑆴𑆩𑆬𑆼 𑆩𑆼𑆣𑆳𑆱𑆴𑆮
𑆓𑆟𑆵 𑇆 𑇆 𑆱𑆩𑆶𑆂 𑆥𑆶𑆱𑆮𑆥𑆶𑆰𑆂 𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆴𑆫𑆼
𑆑𑆬𑇀𑆥𑆪𑆶𑆑𑇀𑆠𑆴 𑇆 𑆪𑆳𑆩𑆶𑆑𑇀𑆠𑆶𑆮𑆱𑇀𑆠𑆶𑆥𑆫𑆳𑆨𑆷𑆩
𑆪𑆁𑆬𑆓𑆠𑆳 𑇆 𑇆 𑇄 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆘𑆨𑆘𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆯𑇀𑆫𑆵
𑆜𑆶𑆢𑇀𑆫𑆶𑆤𑆪𑆪 𑆮𑆴𑆩𑆴𑆠𑆶𑆩𑇀𑆫𑆮𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆩𑆬𑇀𑆬𑆴𑆮𑆴
𑆮𑆸𑆠𑇀𑆠𑆴𑆂 𑆱𑆩𑆳𑆥𑇀𑆠 𑇆 𑇆 𑆬𑆢𑆴𑆱𑆶𑆑𑆸𑆠𑆢𑆶𑆠𑆴𑆫𑆶
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑆂 [illegible] 𑇆

(स्तवचिन्तामणिटीका)

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥ १५ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १६ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १७ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ३० ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ३१ ॥
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]